

असाधारंगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3 Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

eio 550] No. 550] नई बिल्ली, सुकवार, विसम्बर 15, 1978/प्रग्रहायण 24, 1900 NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 15, 1978/AGRAHAYANA 24, 1900

इस भाग म^क भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मैं रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उचान मंत्रासप

(ग्रीखोगिक विकास विमाग)

धावेश

मई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1978

का० मा० 711 (अ) :— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंजालय, मौद्योगिक विकास विभाग के भादेश संख्या का० था० 844 (ई०) तारीख 17 विसम्बर, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास भौर विनियमन) मिर्धिनियम, 1961 (1951 था 66) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा की थी कि उक्त प्रावेश जारी हाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त (जो बैकों भौर वित्तीय संस्थामों के प्रतिभूत वायित्यों से संबंधित नहीं है) सभी संविदाओं सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, प्रधिनिर्णयों, स्थायी भांशों या भ्रम्म लिखतों का जिनमें बंगाल केमिकल एंड कार्मास्यूटिकल वर्कस लिमिटेड, कलकता नामक भौद्योगिक उपक्रम पक्षकार हैं या जो उक्त मौद्योगिक उपक्रम को लागू हो सकते हैं, प्रवर्तन एक वर्ष की भ्रवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व तद्धीम उत्यव या उद्भूत होने वाले सभी भिधकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं भीर दायित्य उक्त खविध के लिए निलंबित रहेंगे

भीर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भारेल की भवधि 14 दिसम्बर, 1979 तक भीर बढ़ादी जानी चाहिए। भतः, भयं केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 व ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवस मक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भादेश की भवधि 14 विसम्बर, 1979 तक भीर बनाती है।

[सं॰ फा॰ 4/26/76-सी॰ यू॰ सी॰] पी॰ सी॰ नायक, संगुक्त संचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi the 15th December, 1978

S. O. 711 (E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. S. O. 844 (E) dated the 17th December, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited, Calcutta is a party or which may be applicable to

the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year and that all rights, previleges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 14th December, 1979;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order by a further period upto the 14th December, 1979.

[File No. 4/26/76-CUC] P. C. NAYAK, Joint Secy.